राज्य की कार्यपालिका

राज्यपाल — राज्य का मंत्रिपरिषद

— महाधिवक्ता

संघ की कार्यपालिका

राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति संघ का मंत्रिपरिषद

→ महान्यायवादी + CAG

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

SSC GD FOUNDATION 2024 -25

Bilingual

संसद → 3-4

PRABHU SIR

→ महान्यायवादी Attorney General →

अनु 76 - महान्यायवादी - भारत सरकार को विधिक मामले में सलाह एवं सहायता देने के लिए एक विधिक अधिकारी होगा। There will be a legal officer to give advice and assistance to the Government of India in legal matters.

यह प्रथम विधिक अधिकारी होगा , इसे वकीलों का वकील कहते है।

This will be the first legal officer, he is called the lawyer of lawyers.

योग्यता - उच्चतम न्यायलय का न्यायाधीश बनने की योग्यता रखता हो।

Qualification - Should be qualified to become a judge of the Supreme Court.

नियुक्ति - राष्ट्रपति के द्वारा

Appointment - By the President

कार्यकाल - राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त

Tenure - During the pleasure of the President

राष्ट्रपति को त्यागपत्र देकर अपना पद छोड़ सकता है। Can resign by submitting a resignation to the President.

कार्य या शक्ति – Functions or Powers

1. सम्पूर्ण भारत क्षेत्र के किसी भी न्यायालय में सारकर की तरफ से चर्चा बहस कर सकता है। Can debate on behalf of the government in any court in the entire Indian territory.

2 . संसद के किसी भी सदन का सदस्य नहीं होते हुए भी सदन की कार्यवाही में भाग ले सकता है , चर्चा बहस कर सकता है, लेकिन विधेयक पर मतदान का अधिकार नहीं होगा। Even though not being a member of any house of the Parliament, can participate in the proceedings of the House, can debate, but will not have the right to vote on the bill. → अनु. 88

भारत के प्रथम महान्यायवादी - M C शीतलवाह , 1950
First Attorney General of India - M C Sheetalwah

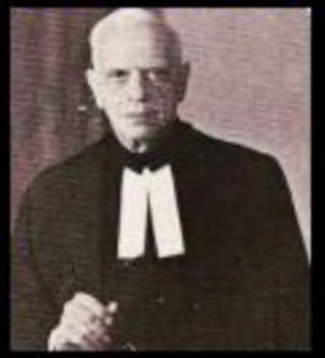

→ 2 महान्यायवादी
॥ सॉलीसीटर Gen.
AG की मदद

वर्तमान महान्यायवादी - V . रमणी
Current Attorney General - V. Ramani

अनु. 148 - 151

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक Comptroller and Auditor General of India

अनु 148 - संघ और राज्य सरकार के व्यय (खर्च) का लेखा रखने के लिए एक नियन्त्रक महा लेखा परीक्षक होगा। There will be a Comptroller and Auditor General to keep accounts of the expenditure of the Union and State Government.

संघ के मामले में यह अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौपेगा।
In the case of the Union, he will submit his report to the President.

राज्य के मामले में यह अपनी रिपोर्ट सम्बंधित राज्य के राज्यपाल को सौपेगा।
In the case of the State, he will submit his report to the Governor of the concerned State.

अनु 151.

नियुक्ति- राष्ट्रपति के द्वारा → 149
Appointment - By the President

कार्यकाल –~~Appointment~~– Tenure

दोनो मे से जो पहले पुरा होगा।

1- 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक 6 years or till the age of 65 years

2 - इससे पहले राष्ट्रपति को त्यागपत्र सौपकर अपना पद छोड़ सकेगा।

Can resign his post before this by submitting resignation to the President.

3 - साबित कदाचार एवं संवैधानिक असमर्थता के आधार संसद के दोनों सदनों के द्वारा दो तिहाई बहुमत से राष्ट्रपति पद से हटा सकेगा। On the basis of proven misconduct and constitutional incapacity, the President can remove him from the post by two-thirds majority by both the houses of the Parliament.

↳ महाभियोग जैसी प्रक्रिया।

नोट- CAG अध्यक्ष अपने पद से हटाने के बाद संघ या राज्य सरकार के अधीन किसी अन्य पद को धारण नहीं करेगा।

Note - After removal from his post, the CAG Chairman will not hold any other post under the Union or State Government.

यह लोक लेखा समिति का मित्र या गार्जियन है।He is the friend or guardian of the Public Accounts Committee.

प्रथम CAG अध्यक्ष - V . नरहरि First CAG Chairman - V. Narhari

वर्त्तमान- गिरीश चंद्र मुर्मू- Current - Girish Chandra Murmu

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING